



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 3 जनवरी, 1986/13 पौष, 1907

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्थानीय स्वायत्त प्रशासन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 5 दिसम्बर, 1985

संख्या एन० एस० जी०-ए०(9)-9/81.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1979 (1980 का अधिनियम संख्यांक 9) की धारा 394(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजपत्र, हिमाचल प्रदेश तारीख 22 दिसम्बर, 1984 में इस सरकार की सम संख्यांक अधिसूचना तारीख 18 अगस्त, 1984 द्वारा प्रकाशित शिमला नगर निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 74(क) के अधीन यथाविरचित शिमला नगर निगम कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1984 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित विनियमों का अनुमोदन करते हैं:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम शिमला नगर निगम कर्मचारी भविष्य निधि (संशोधन) विनियम, 1985 है।

(2) ये विनियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. विनियम 6 का प्रतिस्थापन.—शिमला नगर निगम कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1984 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) के विनियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, नामतः:

“6. ब्याज.—जमा राशि पर ऐसी दर पर ब्याज लगेगा जैसा कि निगम द्वारा प्रति वर्ष अवधारित किया जाए। वार्षिक ब्याज की गणना करते समय अभिदाता को देय ब्याज में पैसे निरस्त कर दिए जायेंगे फिर भी वर्ष के दौरान निर्धारित लेखों पर ब्याज, बचत बैंक लेखाओं पर प्रचलित ब्याज दर दिया जायेगा।”

3. विनियम 11 का संशोधन.—कथित विनियमों के विनियम 11 के उप-विनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम (1) प्रतिस्थापित किया जायेगा, नामतः:

2674-राजपत्र/85-3-1-86—1,168.

(1)

मूल्य : 20 पैसे।

“(1) अभिदाता को, निधि में से अस्थायी अग्रिम धन की अनुज्ञा, आयुक्त द्वारा या किसी अधिकारी द्वारा, जिसे इस निमित्त शक्तियों का प्रत्यायोजन किया जाए, निम्नलिखित शर्त दी जा सकेगी :—

- (क) अग्रिम धन तब तक मंजूर नहीं किया जायेगा, जब तक कि मंजूरी प्राधिकारी का समाधान नहीं हो जाता कि आवेदक को धन संबंधी परिस्थितियां इसे न्यायोचित ठहराती हैं।
- (ख) 48 माह के वेतन के बराबर अग्रिम धन, मकान या मकान के निर्माण या मकान के निर्माण के लिए भूमि खरीदने की लागत को चुकाने के लिए मंजूर किया जा सकेगा : परन्तु ऐसे मामले में वसूली, 144 बराबर मासिक किस्तों में की जायेगी जैसा कि विनियम 13 के उप-विनियम (1) द्वारा अपेक्षित है ;
- (ग) अभिदाता या उसके परिवार के किसी सदस्य के पास अपना आवासिक मकान नहीं है और अपने निधि में 5 वर्ष से कम के लिए अभिदान नहीं किया है ;
- (घ) अग्रिम धन, किसी भी स्थिति में, अभिदाता के खाते में जमा अभिदान और उस पर ब्याज से अधिक नहीं होगा ;
- (ङ) अग्रिम धन, एक से अधिक किस्तों में निकाला जा सकेगा।”

4. विनियम 14 का लोप.—उक्त विनियमों के विनियम 14 का लोप किया जायेगा।

5. उपाबंध “क” का लोप.—उक्त विनियमों के उपाबंध “क” का लोप किया जायेगा।

आदेश द्वारा,
हस्त/-
सचिव।